महत्वपूर्ण एवं खास

नवाज शरीफ की पत्नी ने जीता उपचुनाव

लाहार,(आरएनएस)। पनामा पेपर स्कैंडल मामले में पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद प्रधानमंत्री पद से हटाए गए नवाज शरीफकी पत्नी बेगम कुलसुम लाहौर सीट का उपचुनाव जीत गई हैं। यह चुनाव शरीफ परिवार के लिए आम समर्थन की एक परीक्षा माना जा रहा था। शरीफ को अयोग्य ठहराए जाने के कारण यह उपचुनाव हुआ। बगम कुलसुम न एनए-120 सीट पर निकटतम प्रतिद्वंद्वी पूर्व क्रिकेटर के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की यास्मिन राशिद को 13 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि कुलसुम को 59,413 वोट मिले जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी राशिद को 46,145 वोट मिले।

उत्तर कोरिया पर यूएन के सारे विकल्प अब खत्म : निक्की हेली

वाशिंगटन,(आरएनएस)। उत्तर कोरिया अपनी रुख पर अड़ा हुआ है, नए प्रतिबंधों के बावजूद उसने हाल ही में एक और परमाणु परीक्षण कर पूरी दुनिया को चौंका दिया। हाईड्रोजन बम परीक्षण के बाद अमेरिका और जापान जैसे देशों की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने उस पर कई और कड़े प्रतिबंध लगाने का फैसला किया था। मगर इसके बावजूद उत्तर कोरिया ने एक और मिसाइल दागकर साफ कर दिया कि वह किसी भी तरह के दबाव में झुकने वाला नहीं है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत निक्की हेली ने चेतावनी भरे अंदाज में कह दिया है कि कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र के सभी विकल्प खत्म हो गए हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि हम इस मामले में सुरक्षा परिषद में जो कुछ कर सकते थे, वो सारे विकल्प लगभग खत्म हो चुके हैं। वहीं उन्होंने आगे चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि हम में से कोई भी युद्ध नहीं चाहता है। मगर परमाणु मुद्दे पर कूटनीति विफल होने की स्थिति में अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस इस पर ध्यान देंगे। उधर, व्हाइट हाउस ने कहा है कि उत्तर कोरिया के ताजा परीक्षण के बाद अमेरिका और दक्षिण कोरिया उस पर दबाव बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। बयान के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे-इन की फोन पर बातचीत हुई थी। इस दौरान दोनों ने सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने व उत्तर कोरिया पर आर्थिक व कूटनीतिक दबाव बढ़ाने के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

कैरिबियाई द्वीप की तरफबढ़ा रहा चक्रवात मारिया

वाशिंगटन,(आरएनएस)। इस महीने की शुरूआत में आए चक्रवात इरमा के प्रभाव से कैरिबियाई द्वीप के लोग अभी उबर भी नहीं पाए हैं कि अब उन्हें चक्रवात मारिया का सामना करना पड़ेग। मारिया 120 किलोमीटर की तेज हवाओं के साथ पूर्वी कैरिबिया की ओर बढ़ रहा है। इसकी जानकारी अमेरिकी राष्ट्रीय चक्रवात सेंटर (एनएचसी) ने दी है। कैरिबियाई द्वीप पर चक्रवात संबंधी चेतावनी जारी की गई है। यहां के लोग अभी भी इरमा के विध्वंस से उबर नहीं पाए हैं। एनएचसी ने कहा कि पहले यह चक्रवात श्रेणी वन में था, जो कि सफीर-सिम्पसन स्केल के पांच प्वांइट में सबसे नीचे है। यह अभी बारबाडोस से 225 किलोमीटर दूर उत्तर पूर्व में है। इसमें बताया गया है कि सोमवार की रात में मारिया का केंद्र लीवार्ड द्वीप में होगा तथा मंगलवार को यह उत्तरपूर्वी कैरिबियाई समुद्र तक पहुंचेगा।

जलवायु परिवर्तन पर अमेरिका के रुख में कोई बदलाव नहीं: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन,(आरएनएस)। व्हाइट हाउस ने इन खबरों से इनकार किया कि अमेरिका ने पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते पर अपने रुख में नरमी दिखाई है। उसने कहा कि अगर समझौते की शर्तों में फेरबदल नहीं हुआ तो अमेरिका पेरिस समझौते से हट जाएगा। व्हाटस हाउस ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब खबरें थीं कि ट्रंप प्रशासन मांट्रियल सम्मेलन में घोषणा करेगा कि वह पेरिस समझौते से नहीं हटेगा और इस संबंध में फिर से संवाद का प्रस्ताव रखेगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता लिंडसे वाल्टर्स ने कहा,पेरिस समझौते पर अमेरिका के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।

पुलिस ने चाकू लेकर घूम रहे इंजीनियरिंग छात्र को मार गिराया

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका के अटलांटा में स्थित जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के परिसर के पास चाकू लेकर घूम रहे एक छात्र को पुलिस ने मार गिराया. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्जिया टेक पुलिस विभाग को रविवार सुबह फोन आया कि एक युवक स्कूल के छात्रावास के पास चाकू और बंदूक लेकर घूम रहा है. पुलिस फौरन घटनास्थल पर पहुंची और कैंपस में पार्किंग गराज के बाहर घूम रहे स्काउट शुल्ट्ज (21) से संपर्क करने की कोशिश की. प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बनाए गए वीडियो में नजर आ रहा है कि स्काउट अपने दाहिने हाथ में एक वस्तु लिए नंगे पैर घूम रहा है. इस दौरान वह मुझे गोली मार दो चिल्ला रहा है और पुलिस अधिकारी उससे चाकू फेंकने का आग्रह कर रहे हैं. स्काउट ने पुलिस के निर्देशों को नहीं माना और पुलिसकर्मियों की तरफ बढ़ता रहा. ऐसे में एक अधिकारी ने उस पर गोली चला दी. उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई. स्काउट के पिता विलियम शुल्ट्ज ने फेसबुक पर लिखा, हमारे बेटे स्काउट की जार्जिया टेक पुलिस ने हत्या कर दी.

भारत और जापान की नजदीकी से चिढ़ा चीन?

कहा-नई दिल्ली को किया जा रहा गुमराह

पेइचिंग,(आरएनएस)। हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे के भारतीय दौरे पर पीएम मोदी के साथ उनकी दोस्ती देख चीन चिढ़ गया है। इस यात्रा के तुरंत बाद ही चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने जापान पर आरोप लगाया है कि वह भारत को चीन के बारे में गुमराह कर रहा है। आबे बीते हफ्ते अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन का उद्घाटन करने भारत आए थे। 508 किलोमीटर की दूरी पर बनने वाली यह बुलेट ट्रेन लाइन जापानी तकनीक पर काम करेगी। ग्लोबल टाइम्स के आलेख में एशिया अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर को भी गैरजरूरी बताया गया है और लिखा गया है कि इसकी बुनियादी अवधारणा और भाव चीन के वन बेल्ट वन रोड पहल से मेल खाती है। यह लेख चाइन वेस्ट नॉर्मल यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर इंडियन स्टडीज में डायरेक्टर लॉन्ग शिंगचुन ने लिखा है जिसमें कहा गया है, आबे अमेरिका से मिले हुए हैं और वे भारत को गुमराह कर रहे हैं। यह इस उदाहरण से साबित होता है कि जापान और यूएस के प्रतिनिधि मई में वन बेल्ट वन रोड फोरम में शामिल हुए, जबकि भारत ने इस इवेंट का बहिष्कार कर दिया था। लेख के मुताबिक जापान चीन से मुकाबला करने के लिए भारत का इस्तेमाल कर रहा है क्योंकि वह खुद सीधे तौर पर चीन का सामना नहीं करना चाहता है। लेख में भारत पर भी निशाना साधा गया है और लिखा है, भारत भले ही एक्सप्रेसवे और बुलेट ट्रेन बना रहा है लेकिन भारत के बड़े हिस्से में अभी भी सड़कें गंदी पटरियों जैसी हैं। इस आर्टिकल में भारत-जापान के बीच वार्ता के पीछे तर्क पर भी सवाल उठाए गए हैं। हालांकि इस आलेख में जापान और भारत दोनों से ही क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने को कहा गया है। लेख के मुताबिक तीन प्रमुख एशियाई ताकतों के सहयोग से क्षेत्रीय प्रगति और विकास में सफल परिणाम मिलेंगे।

अमेरिका ने लड़ाकू विमान उड़ाकर दिखाई उत्तर कोरिया को ताकत

सोल,(आरएनएस)। उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच विवाद गहराता जा रहा है। उत्तर कोरिया की ओर से हाल ही में न्यूक्लियर और मिसाइल परीक्षणों के बाद अमेरिका के चार फाइटर जेट और दो बम वर्षक विमानों ने कोरियाई प्रायद्वीप के ऊपर उड़ान भरकर ताकत दिखाई। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री ने यह जानकारी दी है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि चार एफ-35बी फाइटर जेट और दो बी-1बी बमवर्षक विमानों ने प्रायद्वीप के ऊपर उड़ान भरकर अमेरिका और साउथ कोरिया की साझा ताकत का प्रदर्शन किया। उत्तर कोरिया की परमाणु और मिसाइल हमले की धमकियों के मद्देनजर यह शक्ति प्रदर्शन किया गया। उत्तर कोरिया की ओर से 3 सितंबर को किए गए छठे और सबसे ताकतवर न्यूक्यिर टेस्ट और जापान के ऊपर से मिसाइल छोड़ने से बढ़े तनाव के बाद यह पहला मौका था, जब अमेरिकी फाइटर जेट्स ने उड़ान भरी। साउथ कोरिया की डिफेंस मिनिस्ट्री ने बताया कि अमेरिकी फाइटर जेट्स ने 4 दक्षिण कोरिया एफ-15के फाइटर जेट्स के साथ उड़ान भरी। हालांकि यह अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साझा प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा था। दक्षिण कोरिया ने कहा कि दोनों देश अपनी साझा ताकत को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह के अभ्यास करते रहेंगे। इससे पहले 31 अगस्त को अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने आसमान में अपनी ताकत दिखाई है। अमेरिका लगातार उत्तर कोरिया पर दबाव बढ़ा रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी ऐंबैसडर निक्की हेली ने कहा था कि यदि प्योंगयांग ने हथियारों के परीक्षण पर लगाम नहीं लगाई तो वह बर्बाद हो जाएगा। इसी सप्ताह संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का संबोधन होने वाला है। इसके अलावा वह दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। तानाशाह किम जोंग उन के शासन वाले उत्तर कोरिया की ओर से हाइड्रोजन बम का परीक्षण किए जाने के बाद से तनाव खासा बढ़ गया है।

चीन ने तिब्बत से नेपाल के लिए खोला हाईवे

पेइचिंग,(आरएनएस)। चीन ने तिब्बत से हो कर नेपाल सीमा तक जाने वाला एक रणनीतिक हाईवे को खोल दिया है, इसका इस्तेमाल नागरिक और सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। यह हाईवे भारत के लिए भी चिंता का सबब हो सकता है। मीडिया की एक खबर के अनुसार, इस कदम के बारे में चीनी विशेषज्ञों का कहना है कि इससे चीन आसानी से दक्षिण एशिया में प्रवेश करने में सक्षम होगा। तिब्बत में शिगेज हवाईअड्डे और शिगेज शहर के मध्य 40.4 किलोमीटर लंबे इस राजमार्ग को आधिकारिक तौर पर शुक्रवार को लोगों के लिए खोल दिया गया। यह राजमार्ग तिब्बत की राजधानी ल्हासा को नेपाल सीमा पर स्थित झांगमू से जोड़ेगा। यह हाईवे एक ओर नेपाल सीमा से जुड़ता है तो दूसरी ओर से तिब्बत स्थित निंगची को जोड़ता है, जो अरुणाचल प्रदेश की सीमा के बेहद निकट है। यह हाईवे भारतीय सीमा के काफी करीब से होकर जाएगा। इस हाईवे को सेना के वाहन चल सकेंगे और सैन्य उद्देश्यों से विमानों के टेक ऑफ के लिए इसे रनवे के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इस राजमार्ग का छोटा भाग इसे नेपाल सीमा से जोड़ता है। यह राजमार्ग नागरिक और सैन्य उद्देश्य से इस्तेमाल होने वाले हवाईअड्डे और तिब्बत के दूसरे सबसे बड़े शहर के बीच की दूरी को आधा घंटा कम करेगा। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने विशेषज्ञों का हवाला देते हुए कहा है कि इससे चीन दक्षिण एशिया में व्यापार और रक्षा के मसले पर अपनी पहुंच बढ़ा सकेगा। भौगोलिक रूप से दक्षिण एशिया तक सड़क या रेल संपर्क का कोई भी विस्तार भारत, भूटान और बांग्लादेश से हो कर जाएगा। चीन रेल नेटवर्क के जरिए भी नेपाल तक पहुंच बनाने की योजना पर काम कर रहा है। यदि चीन दक्षिण एशिया तक अपनी पहुंच बनाना चाहता है तो उसे भारत, भूटान और बांग्लादेश तक रोड और रेल कनेक्टिविटी से जुड़ना होगा। चीनी अधिकारियों ने पहले भी कहा है कि यह परियोजनाएं बेहद उपयोगी हैं और यदि नई दिल्ली से साथ आना चाहे तो इनसे भारत और चीन दोनों को मदद मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक यह नया राजमार्ग शिगेज-ल्हासा रेलवे नेटवर्क के समानांतर चलता है और 5,476 किलोमीटर लंबे रूट के तहत शंघाई को नेपाल सीमा पर स्थित झांगमू से जोड़ता है।

यूएस के लिए नीति में सख्त बदलाव करने की तैयारी में पाक

कराची,(आरएनएस)। आतंकवाद को लेकर अमेरिका की तरफ से लगातार फटकार खाने के बाद अब पाकिस्तान भी सख्त रवैया अपना सकता है। खबरों की माने तो अब पाकिस्तान अमेरिका के लिए अपनी डिप्लोमैटिक नीति में बदलाव करने की तैयारी में है। अगर यूएस उस पर किसी भी तरह के प्रतिबंध लगाता है या फिर गैर-नाटो सहयोगी के ओहदे को कम करता है तो इस्लामाबाद तीन विकल्पों वाली सख्त डिप्लोमैटिक पॉलिसी अपना सकता है। पाकिस्तान के द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक, सरकार के सूत्रों ने यह बताया है कि इस पॉलिसी में यूएस के साथ कूटनीतिक संबंध सीमित करने, आतंकवाद पर सहयोग को कम करने और अफ-गानिस्तान में अमेरिकी रणनीति में बिलकुल सहयोग न करना शामिल है। आखिरी विकल्प में पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान में नाटो को होने वाली आपूर्ति पर रोक लगाना भी शामिल किया जा सकता है। ट्रंप की अफगान नीति की घोषणा के एक दिन बाद ही अमेरिकी विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन ने कहा था कि यूएस इस्लामाबाद के प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी होने के दर्जे को घटा सकता है अगर उसने आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। हालांकि, यह नीति नैशनल सिक्यॉरिटी कमिटी की मंजूरी के बाद ही लागू की जाएगी। फिलहाल दोनों देश उच्च स्तरीय वार्ताओं के जरिए रिश्तों में आए तनाव को घटाने की कोशिश कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र आम महासभा के सत्र से इतर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहिद खाकन अब्बासी अमेरिका के उप राष्ट्रपति माइक पेंस से भी मिल सकते हैं। इसके अलावा दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की भी मुलाकात होने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

प्रधानमंत्री अब्बासी ने आईएसआई में असैन्य पदों की हिस्सेदारी बढ़ाने को दी मंजूरी

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने देश की शक्तिशाली खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के वरिष्ठ अधिकारियों में असैन्य लोगों की हिस्सेदारी बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पाकिस्तानी अखबार द डॉन की खबर के मुताबिक, अब्बासी ने 15 सितंबर को एजेंसी में सर्वोच्च असैन्य पद महानिदेशकों (डीजी) की संख्या एक से बढ़ाकर 4 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। आईएसआई में असैन्य डीजी का पद ग्रेड 21 का है जो सशस्त्र सेनाओं में काम कर रहे मेजर जनरल के बराबर है। इससे पहले खुफिया एजेंसी में असैन्य डीजी का केवल एक पद होता था। प्रधानमंत्री ने उप महानिदेशकों (डीडीजी) की संख्या भी 8 से बढ़ाकर 15 कर दी है। कैबिनेट ऐंड एस्टेब्लिशमेंट डिविजन के संसदीय सचिव रजा जावेद इखलास ने इस आदेश को नियमित मामला बताया। सेना के एक अधिकारी ने इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन कहा कि चूंकि प्रधानमंत्री सक्षम प्राधिकारी हैं तो एजेंसी में पदों में बढ़ोतरी को मंजूरी देना उनका विशेष अधिकार है।

आईएस के ठिकानों पर इराकी सेना ने किए 42 हवाई हमले, 306 आतंकवादी ढेर

बगदाद,(आरएनएस)। इराक सेना के विमानों ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के ठिकानों को निशाना बनाकर दर्जनभर हवाई हमले किए. इन हमलों में आईएस के कई ठिकाने नष्ट हो गए और लगभग 306 आतंकवादी भी मारे गए. खुफिया मीडिया कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, खुफिया रिपोर्टों के आधार पर 11 से 16 सितंबर के बीच आईएस के ठिकानों पर 42 हवाई हमले किए गए, जबकि पूर्वी सीरिया के मयादीन क्षेत्र में आईएस की चौकियों पर कुल छह हवाई हमले किए गए.

शिंजो एबी जापान में करा सकते हैं मध्यावधि चुनाव

टोक्यो,(आरएनएस)। उत्तर कोरिया से तनाव के बीच बढ़े जनसमर्थन के कारण जापान के प्रधानमंत्री शिंजो एबी अगले महीने मध्यावधि चुनाव करा सकते हैं। विपक्ष के बिखराव ने प्रधानमंत्री की स्थिति को घरेलू मोर्चे पर मजबूत किया है। बताया जा रहा है कि शिंजो ने सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के समक्ष 22 या 29 अक्टूबर को चुनाव कराने का विचार रखा है। दिसंबर, 2012 में सत्ता में आए शिंजो की लोकप्रियता पिछले कुछ महीनों में काफी घट गई थी। गत जुलाई में तो यह न्यूनतम स्तर पर बताई जा रही थी। लेकिन हाल के दिनों में उत्तर कोरिया के साथ तनातनी ने स्थानीय राजनीति का रख शिंजो के पक्ष में कर दिया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार शिंजो की लोकप्रियता अब 40 फीसदी के करीब है। इसका कारण एबी का रक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देना और अमेरिका सहित अन्य देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाना भी शामिल है। विपक्ष के बिखराव ने भी प्रधानमंत्री की स्थिति को घरेलू मोर्चे पर मजबूत किया है। शिंजो एबी पिछले दिनों भारत दौरे पर थे। यहां गुजरात में उन्होंने भारत की पहली बुलेट ट्रेन के शिलान्यास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भाग लिया।

क्यूबा में फिर दूतावास बंद करने जा रहा है अमेरिका!

वॉशिंगटन,(आरएनएस)। क्यूबा में सालों बाद दूतावास शुरू करने वाला अमेरिका इसे फिर बंद कर सकता है। इस बार वजह है राजदूतों पर हो रहे अजीब हमले, जिसमें वे बहरे तक हो रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन ने एक शो के दौरान यह कहा कि यूएस हवाना में अपने दूतावास को बंद करने पर विचार कर रहा है। पांच रिपब्लिकन सेनेटर्स के एक समूह ने टिलरसन को चिट्ठी लिख यह मांग की है कि क्यूबा में अमेरिकी दूतावास को बंद किया जाए जो कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के आखिर में खोला गया था। बराक ओबामा ने क्यूबा के साथ लगभग 50 साल के बाद कूटनीतिक संबंध स्थापित किए थे। इसके बाद ही 2015 में अमेरिका के दूतावास ने वहां काम करना शुरू किया था। अमेरिकी सरकारी अधिकारियों का कहना है कि हवाना दूतावास में मौजूद उनके कर्मचारियों पर रहस्यमय हमले किए जा रहे हैं, जिनसे उन्हें गंभीर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, टिलरसन ने अपने बयान में यह जिक्र नहीं किया कि असल में राजदूतों के साथ क्या हुआ है। टिलरसन ने कहा, हमारे राजदूत जिन परेशानियों से जूझ रहे हैं वह एक गंभीर मामला है। हम उनमें से कई लोगों को वापस घर ले आए हैं। अभी मामले की समीक्षा की जा रही है। अब तक इन हमलों से 21 राजनयिकों के प्रभावित होने की अमेरिका ने पुष्टि की है। अमेरिकी विदेश सेवा संगठन की मानें तो यह हमले साल 2016 के आखिर में ही शुरू हो गए थे। हमलों की वजह से राजनयिकों के दिमाग में सूजन, सिर में तेज दर्द, असंतुलन और संज्ञान खोने जैसे लक्षण भी देखे गए हैं। अमेरिकी जांचकर्ताओं का कहना है कि उनके राजनयिकों पर सीक्रिट सॉनिक हमले किए जा रहे हैं। यानी उनके राजनयिकों को एक ऐसे अडवांस्ड डिवाइस से निशाना बनाया जा रहा है जिसकी कोई आवाज नहीं होती लेकिन वह अपने आसपास के लोगों के कानों पर बहुत बुरा असर डालता है। ऐसा माना जा रहा है कि ऐसे डिवाइस अमेरिकी राजनयिकों के घर के बाहर और अंदर छोड़ दिए गए हैं।

भूखे हाथी ने ट्रक की छत तोड़कर निकाला खाना

बैंकाक,(आरएनएस)। एक हाथी को भूख लगी तो उसने पिकअप ट्रक की छत ही तोड़ डाली। यहां एक पिकअप ट्रक खाने-पीने का सामान भरकर अपने गंतव्य की तरफ जा रहा था कि तभी एक भूखे हाथी ने उसका रास्ता रोक लिया। ट्रक में रखे खाने की महक उसे उसके पास ले आई थी। कुछ देर तक हाथी अपनी सूंड से ट्रक का मुआयना करता रहा। इसके बाद उसने ट्रक की छत गिरा दी और ट्रक में रखे खाने से अपनी भूख शांत की।

सम्पूर्ण नेत्र सुरक्षा कार्यक्रम

अपील

दृष्टि सेवाओं की घर तक पहुँच

नेत्र को सुरक्षित रखने हेतु निम्न उपाय करें -

1/ प्रतिदिन सुबह उठकर एवं रात को सोते समय आँख एवं आँख के चारों ओर त्वचा को साफ पानी से धोएं। 2/ आँखों और चेहरे के लिए अच्छे किस्म के चश्में का उपयोग करें। 3/ आँखों को दुर्घटना से बचाएं जैसे आतिशबाजी,तीर-कमान,गुल्ली-डंडा खेलते समय सावधानी बरतें। 4/ आँखों में कुछ गिर जाए तो आँखों को मलिए नहीं, काफी मात्रा में साफ पानी से आँख धोकर बाहरी कण को बाहर निकालें। 5/ पुस्तक को आँखों से डेढ़ फीट की दूरी पर रखकर पढें। चलती बस में लेटे हुए या कम प्रकाश में कभी ना पढें, इससे आँखों में जोर पड़ता है। 6/ आँखों में अच्छी रोशनी हेतु विटामिन ए* युक्त भोज्य पदार्थ जैसे - पालक, गाजर, पपीता,आम,दूध,मछली, एवं अंडे का सेवन करें। 7/ स्कूल में प्रवेश के पूर्व छात्रों का एवं समय-समय पर आँखों का परीक्षण करवाएं। 8/ आँखों की जाँच मेडिकल कॉलेज एवं सभी जिला चिकित्सालयो में नेत्र विशेषज्ञ एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में नेत्र सहायकों द्वारा निःशुल्क जाँच एवं उपचार किया जाता है। 9/ 40 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को मोतियाबिंद की जाँच नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र/जिला चिकित्सालय में करातें रहना चाहिए जहाँ मोतियाबिंद का निःशुल्क उपचार एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला रायगढ़।